

Roll No. ....

(12/24)

**5673**

**B. A. (General) EXAMINATION**

(Fifth Semester)

(For Batch 2011 & Onwards)

**MUSIC (VOCAL)**

**Paper-I**

*Time : Three Hours*

*Maximum Marks : 40*

**Note :** The question paper is divided into three Sections. Attempt *Five* questions in all, selecting at least *one* question from each Section. All questions carry equal marks.

**Section I**

1. Write down the notation of Drut Khayal along with its brief introduction and Four Taans from any *one* of the following as below : 6+2
  - (i) Todi
  - (ii) Bhimplasi.



2. Write down the detailed introduction of following Raags :

Raag Puriya Dhanshree and Raag Bhimplasi. 4+4

3. Write down Taal Theka in Tha-Gun, Dugun, Tigun and Chaugun Layakaries of Sool Taal or Dhamar. 2+2+2+2

4. Write down the notation of Vilambit Khayal with two Taans in Raag : Basant or Kamod. 8

### Section II

5. Write in detail about merits and demerits of notation system in Indian Classical Music. 8

6. Write down in details about the musical contribution of Pt. Lal Mani Mishra in Indian classical music. 8

7. Write a detailed note on topic 'Lalit Kalaon me Sangeet Ka Sthaan'. 8

### Section III

8. What is the importance of 'Time Theory' in Indian classical music with its implications in Raag-Sangeet ? Write in detail. 8

9. What is the crucial role of Gharanas in reference of preserving the Indian Classical Music ? 8

10. Differentiate between teaching of music in Educational Institutes and Traditional Method in Gharanas. 8

### (Hindi Version)

नोट : प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है । प्रत्येक खण्ड में से कम से कम एक प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।



### खण्ड I

1. निम्नलिखित रागों में से किसी एक राग का संक्षिप्त परिचय सहित द्रुत ख्याल की स्वरलिपि व चार तानें लिखिए :

6+2

- (i) तोड़ी  
(ii) भीमप्लासी ।

2. निम्नलिखित रागों का विस्तृत परिचय लिखिए :  
राग पूरीया धनाश्री एवं राग भीमप्लासी ।

4+4

3. सूलताल व धमार ताल में से किसी एक की ठाह गुन, दुगुन, तिगुन और चौगुन लयकारियाँ विस्तारपूर्ण लिखिए ।

2+2+2+2

4. राग बसंत एवं राग कमोद के विलंबित ख्याल सहित दो तानों की स्वरलिपि लिखिए ।

8

### खण्ड II

5. भारतीय शास्त्रीय संगीत में स्वरलिपि पद्धति के संदर्भ में इसके गुण एवं अवगुण विस्तार से लिखिए ।

B-5673

4

6. पंडित लालमणि मिश्र द्वारा भारतीय शास्त्रीय संगीत में दिये गये सांगीतिक योगदान के संदर्भ में विस्तारपूर्ण विवरण लिखिए ।

8

7. 'ललित कलाओं में संगीत का स्थान' विषय के संदर्भ में विस्तारपूर्वक लिखिए ।

8

### खण्ड III

8. भारतीय शास्त्रीय संगीत में 'समय सिद्धांत' की महत्ता एवं राग-संगीत में इसके निहितार्थों को विस्तारपूर्वक लिखिए ।

8

9. भारतीय शास्त्रीय संगीत में संगीत के संरक्षण हेतु संगीत के घरानों की महत्वपूर्ण भूमिका का विवरण दीजिए ।

8

10. शैक्षणिक संस्थानों में संगीत की शिक्षा एवं घरानों में पारंपरिक पद्धति के बीच अंतर बताइए ।

8

B-5673

5

740